भजन

तर्ज–तुझे प्यार करते करते

श्री राज कहते कहते मेरी उमर बीत जाए
हर पल ये सुरता मेरी,तेरे चरणों में ही आए

1– हर सांस में हो मेरे,तेरे नाम की ही धड़कन
कभी खेलूं कुंजवन में,तेरे संग कभी मधुवन
मेरी हर सदा में खुशबू,मेरे धाम की ही आए

2– माला मैं ऐसी पहनूं,जिसमें न हो शरीयत
तेरे इश्क की हो मारफत,तेरे इश्क की हो सोहोबत
जो भी मैं गीत गाऊं,तेरी याद वोह दिलाए

3– बोलूं मैं पिया पिया,तूं ही तूं ही रट लगाऊं
तूं ही नजर में आए,जिस और नजर दौड़ायें
मदहोशी का हो आलम,कभी होश में न आयें

4– पिया गाऊं गुण तिहारे,और जाऊं वारी वारी
सब कुछ तेरेसहारे,मैं तो हूँ हारी हारी
ऐसे समाओ मुझमें,कुछ भी नजर न आए